سُورَةُ الهُمَزَةِ

Surah 104 — Al-Humaza (The Traducer) · Meccan · 9 Ayahs · Translation: Hindi

---

1

بِسْمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ وَيْلٌ لِّكُلِّ هُمَزَةٍ لُّمَزَةٍ

हर ताना देने वाले चुग़लख़ोर की ख़राबी है

2

ٱلَّذِى جَمَعَ مَالًا وَعَدَّدَهُۥ

जो माल को जमा करता है और गिन गिन कर रखता है

3

يَحْسَبُ أَنَّ مَالَهُۥٓ أَخْلَدَهُۥ

वह समझता है कि उसका माल उसे हमेशा ज़िन्दा बाक़ी रखेगा

4

كَلَّا ۖ لَيُنۢبَذَنَّ فِى ٱلْحُطَمَةِ

हरगिज़ नहीं वह तो ज़रूर हुतमा में डाला जाएगा

5

وَمَآ أَدْرَىٰكَ مَا ٱلْحُطَمَةُ

और तुमको क्या मालूम हतमा क्या है

6

نَارُ ٱللَّهِ ٱلْمُوقَدَةُ

वह ख़ुदा की भड़काई हुई आग है जो (तलवे से लगी तो) दिलों तक चढ़ जाएगी

7

ٱلَّتِى تَطَّلِعُ عَلَى ٱلْأَفْـِٔدَةِ

ये लोग आग के लम्बे सुतूनो

8

إِنَّهَا عَلَيْهِم مُّؤْصَدَةٌ

में डाल कर बन्द कर दिए

9

فِى عَمَدٍ مُّمَدَّدَةٍ

जाएँगे

Generated by Dailica — dailica.com